प्रिलिम्स अभ्यास: खजुराहो के जावरी मंदिर की विष्णु-प्रतिमा – प्रमुख तथ्य

प्रारंभिक परीक्षा – अभ्यास प्रश्न (1 विषय, 3 प्रश्न, उत्तर-व्याख्या सहित) | समाचार संदर्भ: 13 अक्टूबर 2026 | प्रकाशित: 26 अक्टूबर 2026



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के महानिदेशक **यदुबीर सिंह रावत** ने बताया: खजुराहो के **जावरी मंदिर** की 11वीं सदी की सात-फ़ीट ऊँची **विष्णु-प्रतिमा का खोया सिर ASI के भंडार में मिल गया** है; विशेषज्ञ-परीक्षा के बाद इसे प्रतिमा से फिर जोड़ा जाएगा (पुनर्स्थापना नवंबर तक संभावित)। रावत के अनुसार संभव है सिर चुराने के असफल प्रयास में तोड़ा गया था। मामला पिछले वर्ष सुप्रीम कोर्ट तक गया था — जीर्णोद्धार-याचिका खारिज हुई थी।

खजुराहो और जावरी मंदिर

- मध्य प्रदेश के **छतरपुर जिले** का खजुराहो **चंदेल शासकों** (मुख्यतः 950-1050 ई.) का मंदिर-समूह; **नागर शैली** की वास्तुकला हेतु प्रसिद्ध।
- मूलतः कई दर्जन मंदिरों में से लगभग **20-23 बचे** — पश्चिमी, पूर्वी और दक्षिणी समूहों में बँटे; **1986 में यूनेस्को विश्व-धरोहर** सूची में शामिल।
- जावरी मंदिर इसी समूह का हिस्सा; उसकी विष्णु-प्रतिमा का सिर लंबे समय से लापता था।

विस्तृत विश्लेषण पढ़ें: जावरी मंदिर की प्रतिमा-पुनर्स्थापना — पूरा विश्लेषण।

संदर्भ और विस्तृत व्याख्या

इस खबर के दो तत्त्व अलग-अलग रखें: प्रतिमा का इतिहास और संस्थागत प्रक्रिया। खजुराहो (छतरपुर जिला, मध्य प्रदेश) चंदेल शासकों (मुख्यतः 950-1050 ई.) का मंदिर-समूह है, नागर शैली की वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध; मूलतः कई दर्जन मंदिरों में से लगभग 20-23 बचे हैं — पश्चिमी, पूर्वी और दक्षिणी समूहों में बँटे — और 1986 में यूनेस्को विश्व-धरोहर सूची में शामिल हुए। जावरी मंदिर इसी समूह का हिस्सा है; उसकी 11वीं सदी की सात-फ़ीट ऊँची विष्णु-प्रतिमा का सिर लंबे समय से लापता था।

वर्तमान घटनाक्रम ASI महानिदेशक यदुबीर सिंह रावत के साक्षात्कार पर आधारित है: खोया सिर ASI के भंडार में मिल गया है; विशेषज्ञ-परीक्षा के बाद प्रतिमा से फिर जोड़ा जाएगा (पुनर्स्थापना नवंबर तक संभावित)। रावत के अनुसार संभव है सिर चुराने के असफल प्रयास में तोड़ा गया था। मामला पिछले वर्ष सुप्रीम कोर्ट तक गया था, जहाँ जीर्णोद्धार-याचिका खारिज हुई थी।

परीक्षा-सावधानियाँ: पुनर्स्थापना अभी 'संभावित' है, पूर्ण नहीं; 'सिर मिलना' भंडार से हुआ, खुदाई से नहीं; और याचिका-खारिजी का तथ्य विरासत-अधिकारिकता के प्रश्नों में काम आता है। प्रमुख तथ्य — चंदेल, नागर शैली, 1986, छतरपुर — चारों प्रिलिम्स के प्रत्यक्ष बिंदु हैं।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. जावरी मंदिर कहाँ स्थित है?

(a) ग्वालियर

(b) खजुराहो, मध्य प्रदेश

(c) ओरछा

(d) उज्जैन

उत्तर और कारण देखें

उत्तर: (b) खजुराहो, मध्य प्रदेश। खजुराहो छतरपुर जिले का चंदेल-कालीन मंदिर-समूह है; जावरी मंदिर उसी का हिस्सा है।

प्रश्न 2. खजुराहो के मंदिर किस शासक-वंश से जुड़े हैं?

(a) परमार

(b) चंदेल

(c) कलचुरी

(d) होयसल

उत्तर और कारण देखें

उत्तर: (b) चंदेल। चंदेल शासकों ने मुख्यतः 950-1050 ई. के बीच ये मंदिर बनवाए; नागर शैली की वास्तुकला इनकी पहचान है।

प्रश्न 3. खजुराहो यूनेस्को विश्व-धरोहर सूची में किस वर्ष शामिल हुआ?

(a) 1978

(b) 1986

(c) 1992

(d) 2004

उत्तर और कारण देखें

उत्तर: (b) 1986। समूह के लगभग 20-23 शेष मंदिर पश्चिमी, पूर्वी और दक्षिणी समूहों में बँटे हैं।

स्रोत और सीमाएँ

- टाइम्स ऑफ इंडिया, 13 अक्टूबर 2026 (पढ़ा): TOI: ASI चीफ का साक्षात्कार
- **सीमाएँ:** तथ्य ASI महानिदेशक के साक्षात्कार-उद्धरण पर आधारित; ASI का अलग कार्यालयी विज्ञप्ति-पृष्ठ नहीं मिला। मंदिर-इतिहास सामान्य पृष्ठभूमि के रूप में अंकित। समाचार-संदर्भ 13 अक्टूबर का है, पुनः-प्रकाशन नहीं — यह 23 अक्टूबर को तैयार संदर्भ-लेख है।